वर्ष 1 - अंक 31
गुरुवार 26 दिसम्बर 2024 - कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में

निगम की टीम पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हमला किया

आदित्य शर्मा, 8224951278

सहसंपादक रणजीत टाइम्स

कल। सुबह इंदौर नगर निगम की टीम पर बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के दत्त नगर और द्वारका पूरी थाना क्षेत्र के सूर्यदेव नगर में अवैध रूप से बने गाय के बाड़ों पर कार्रवाई करने गई थी। कार्रवाई के दौरान बजरंग दल वहां पहुंचा और गायों को छोड़ने के लिए कहा और कार्रवाई का विरोध किया। इस दौरान जमकर विवाद हुआ विवाद इतना बढ़ा कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कर्मचारियों के साथ जमकर मारपीट कर दी।

उस दौरान नगर निगम कई गाड़ियों पर जमकर तोड़फोड़ की। इस पूरे मामले में निगम उपायुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि सुबह छह बजे हम कार्रवाई करने गए थे। 9 बजे तक हमने कार्रवाई पूरी कर ली थी उसके बाद हम वहां से निकल रहे थे। तभी बीच रास्ते में बजरंग दल और कर्मचारियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ जिसके बाद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वाहनों में तोड़फोड़ की और नगर निगम के कुछ कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

इस पूरे मामले में द्वारका पूरी थाने पर नगर निगम द्वारा शिकायत दर्ज कराई है इसके साथ ही निगम आयुक्त यह भी बताया कि अब पूरे मामले की जानकारी निगम आयुक्त शिवम वर्मा और महापौर पुष्यमित्र भार्गव को दी जाएगी।

अटल जी की जन्मशताब्दी के अवसर पर भाजपा कार्यालय पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के साथ लगाइ गई प्रदर्शनी

इंदौर। जावरा कंपाउंड स्थित भाजपा कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस को भाजपा द्वारा प्रति वर्षानुसार सूशासन दिवस के रूप में मनाया गया।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्री गौरव रणदिवे ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया इस अवसर पर ी रणदिवे ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री शनरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है अटल जी एक आदर्श नेता कैसा होना चाहिए उनका चरित्र और कार्य कैसा होना चाहिए अगर हम देखे तो श्रद्धेय अटल जी से बड़ा इसका और दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता चाहे विश्व पटल पर देश का प्रतिनिधित्व संयुक्त राष्ट्र महासभा में करना हो या अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद भी परमाणु परीक्षण करना या नदी जोड़ो अभियान के साथ ही प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना हो ऐसे आनेको कार्य उन्होंने किए वे हम जैसे सभी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के आदर्श है आज भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा 1700 से ज्यादा पोलिंग बूथों पर श्रद्धेय अटल जी को श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, कार्यक्रम संयोजक प्रकाश राठौर सह संयोजक श्रीमती माधुरी जायसवाल, नगर उपाध्यक्ष, मुकेश मंगल पार्षद पंखुड़ी डोसी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का हुआ शिलान्यास

केन- बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से पिछोर ,करैरा क्षेत्र के ग्रामीणों को मिलेगा लाभ -प्रभारी मंत्री

पिछोर में किसान सम्मेलन में शामिल हुए प्रभारी मंत्री

दैनिक रणजीत टाइम्स

संवाददाता जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी)नहर जोडो परियोजना के तहत केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना का छतरपुर के खजुराहो से शिलान्यास किया गया है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छतरपुर में आयोजित कार्यक्रम में परियोजना का शिलान्यास किया और जनता को संबोधित किया।

इस कार्यक्रम का प्रसारण शिवपुरी जिले में भी किया गया। यहां शिवपुरी के पिछोर में जिला स्तरीय किसान सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने पिछोर और करेरा की जनता को संबोधित किया। प्रभारी मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि केन बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत लोवर उर वृहद सिंचाई परियोजना से शिवपुरी जिले में पिछोर खनियाधाना और करेरा के 214 गांव के किसान लाभान्वित होंगे। इससे इस क्षेत्र में सिंचाई

क्षमता बढ़ेगी जिसका लाभ किसान भाइयों को होगा। अच्छी सिंचाई होने से फसल उत्पादकता में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा जल स्तर में सुधार होगा और पेयजल की उपलब्धता होगी।

उन्होंने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का सपना था नदी जोड़ो परियोजना।

जिसे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मूर्त रूप दिया जा रहा है और आज केन बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास हुआ है। इस परियोजना के बनने से क्षेत्र की जनता को भी बड़ा लाभ होगा। कार्यक्रम के दौरान पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा कहा गया कि हमारे मोदी जी के केनबेतवा नदी को हमारे पिछोर तक लाए हैं उन्होंने कहा है कि जैसे पुराने समय में भागीरथी जी गंगा को लाए थे ऐसी ही हमारी पिछोर की धरती पर हमारे पूर्व प्रधानमंत्री माननीय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई के नाम से प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा पिछोर विधानसभा में केनबेतवा नदी को जोड़कर हमारे क्षेत्र के किसानों को बहुत बड़ी स्वागत दी है !

हमारे क्षेत्र की 125 ग्राम पंचायतें हैं जो इसका लाभ लेगी किसी भी किसानों की जमीन असंचित नहीं रहेगी

एक वर्ष बाद हमारे सभी किसानों को पर्याप्त पानी मिलेगा तथा विधायक नें कहा कि हमारी पार्टी ने जो वादा किया था आज हम उसे पूरा करने जा रहा है! इस मौके पर करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक और जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव, जिला अध्यक्ष राजू बाथम ने भी संबोधित किया और लोवर उर वृहद सिंचाई परियोजना अंतर्गत किसानों को होने वाले लाभ के बारे में बताया। इस परियोजना के तहत अभी उर नदी पर बांध का निर्माण किया गया है जिसमें अभी नहर और पाइपलाइन का काम पूर्ण किया जाना है। इससे लगभग एक। लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी। इस मौके पर कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमनसिंह राठौड, पिछोर एसडीएम शिवदयाल सिंह धाकड़ सहित सभी अधिकारीगण उपस्थित थे !

साल के अंत तक के सबसे खौफनाक अपराध!

विवाद के बाद चली तलवारें, जमकर हुई पत्थरबाजी, 6 से ज्यादा घायल

भोपाल। जहांगीराबाद में कल दो समुदाय में विवाद हो गया। पुरानी गल्ला मंडी में किसी बात पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ा कि पत्थरबाजी शुरू हो गई। साथ ही लोग घरों से तलवार लेकर मरने-मारने पर उतारू हो गए। इस घटना में करीब 6 लोग घायल ही गए। वहीं विवाद की खबर मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि पुरानी गल्ला मंडी में बीते दिनों गाड़ी निकालने की बात पर दो पक्षों में झड़प हो गई थी। लेकिन कुछ देर में मामला शांत हो गया था। आज दोबारा दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। जिसके बाद जमकर पत्थरबाजी शुरू हो गई। देखते ही देखते लोग तलवार, लाठी डंडा, जो भी हथियार मिला लेकर मारने दौड़ गए।इस दौरान उपद्रवियों ने घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। साथ ही हमले में कई लोगों को चोटें भी आई है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और स्थिति कंट्रोल करने के प्रयास में जुट गई है।एक पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्हें डराया धमकाया जा रहा था। जिसके बाद आज उनकी तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। हमला होने के बाद तलवार चली है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि कोई पत्थरबाजी नहीं की गई थी। प्लानिंग के तहत हमला हुआ है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

साजिश... कत्ल...खूनी खेल और लोगों के उड़े चीथड़े

भोपाल। बीते कुछ वक्त से मध्य प्रदेश में अपराध के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वहीं साल 2024 के दौरान मध्य प्रदेश में अपराध दर में कमी दर्ज की गई है। पुलिस मुख्यालय की समीक्षा के अनुसार, जनवरी से जुलाई 2024 के बीच अपराधों की संख्या 2023 की तुलना में 4033 से घटकर 3144 हो गई है। हालांकि, जनवरी से नवंबर तक की जानकारी अभी आना बाकी है। आइए नजर डालते हैं इस साल के कुछ ऐसे अपराध के मामलों पर जिसने पुलिस तक को उलझा कर रख दिया।

हरदा पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट

हरदा। साल की शुरुआत होते ही मध्य प्रदेश के हरदा जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया। मामला था एक पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त ब्लास्ट विस्फोट। शहर के मगरदा रोड पर स्थित पटाखा फैक्ट्री में अचानक सुबह धमाका हुआ। घटना का पता चलते ही मौके पर फायर ब्रिग्रेड की टीम पहुंच गई। हादसे के चलते 200 से अधिक लोगों की जान जाने की खबर सामने आई। घटना की भयावह तस्वीरें देख सबकी रुक कांप गई। जिसमें लोगों की चीथड़े उड़ते देख जा सकता था। ब्लास्ट से आसपास के 60 से ज्यादा घरों में आग लग गई। फैक्ट्री के आसपास सड़क पर शवों का ढेर लग गया। कई लोग घायल हुए। घटना के बाद प्रशासन ने 100 से ज्यादा घर खाली करवाए। धमाके की चपेट में आने से कई राहगीर वाहन समेत दूर उछल गए। फैक्ट्री में रुक-रुककर धमाके होने शुरू हो गए।

जबलपुर का डबल मर्डर

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 15 मार्च को डबल मर्डर का मामला सामने आया। जिसमें एक बेटी ने अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ मिल कर अपने ही पिता और 8 साल के छोटे भाई का बेरहमी से क़त्ल कर दिया।

मामाजी की 27 वीं पुण्यतिथि

लगेगा आस्था का मेला, मामाजी के हजारों अनुयायी पहुंचेगे बामनिया भील आश्रम,मामाजी को भारत रत्न दिए जाने की पुनः उठेगी मांग

झाबुआ : उत्सव सोनी

ख्यातनाम समाजवादी चिंतक ,स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. मामा बालेश्वर दयाल की 27 वीं पुण्यतिथि बामनिया स्थित भील आश्रम में 26 दिसम्बर को मनाई जाएगी । प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मामाजी के हजारों अनुयायियों का आस्था का मेला लगेगा । हर वर्ष 26 दिसम्बर को मामाजी की पुण्यतिथि अवसर पर मध्यप्रदेश ,गुंजरात एवं खासकर राजस्थान के दूरस्थ इलाकों से मामाजी के हजारों अनुयायी पैदल एवं वाहनों से यहां पहुंचते है और मामाजी की समाधि पर मस्तक नवाते है,मामाजी के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले भक्तों का यहां आगमन का सिलसिला 24 दिसम्बर से ही आरंभ हो गया था । 25 दिसम्बर को भी राजस्थान के सुदूर इलाकों से भगतगण कई किमी की पैदल यात्रा करते हुए यहां पहुंचे ।भजन कीर्तन करते भक्त आश्रम पहुंचे और अपने भगवान के मंदिर में शीश नवाया।

पूरी रात लगा मेला-

मामाजी के हजारों अनुयायी का आगमन 25 दिसम्बर से ही आरंभ हो गया था ।ये सिलसिला 26 दिसम्बर की दोपहर तक जारी रहेगा । मामाजी के अनुयायियों ने पूरी रात रतजगा कर अपने आराध्य का स्मरण कियां । अमरगढ रोड स्थित भील आश्रम क्षेत्र में हार फूल,अगरबत्ती, नारियल ,चाय नाश्ता, फोटोग्राफी और विभिन्न प्रकार की दुकानें 24 दिसम्बर की शाम से ही लगना शुरू हो गई थी।

गले में मामाजी का लॉकेट, हाथ में हार फूल और मामाजी अमर रहे के नारे लगाते महिला पुरूष व बच्चे मामाजी के आश्रम पहुंचे । जिसे जहां जगह मिली आश्रम में ठहर जाते है ।पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वापिस अपने घरों को लौटते है ।इन्हें यहां आने का कोई निमंत्रण नहीं देता है अपने आराध्य को षीष नवाने के लिए स्वंय दौडे चले आते है।श्रद्धा और आस्था की यह अनूठी परम्परा वर्ष दर वर्ष चली आ रही है।

मामा जी को भगवान मानते है-

बाँसवाड़ा जिले से अपने साथियों के साथ 2 दिन की पदयात्रा करके यहां पहुँचे बदिया भगत ने बताया कि में पिछले 30 सालों से मामाजी के धाम पर आ रहा हूं। मेरे परिवार की नई पीढ़ी भी हमारे साथ आती है।मामाजी हमारे लिए भगवान है, कैसा भी दुख दर्द हो, खेती बाड़ी, घर परिवार हर जगह मामाजी का नाम लेते है ,सब काम अच्छे हो जाते है। रामजी भगत बताते है यहां आश्रम में शासन प्रशासन को मामाजी के इस धाम पर सुविधाएं करना चाहिए।इस समय हजारों की संख्या में भगत लोग आते है यहां बड़े भवन बन जाये तो ठहरने में सुविधा मिलने लगेगी।

अनुयायी कहलाने में गर्व महसूस करते है-

मामाजी से जुडे लोग बताते है कि जीवन में शायद ही किसी व्यक्ति ने उनकी जेब या हाथ में रूपए देखे होगें । उनके समर्थक अपने आपको उनका अनुयायी कहलाने में गर्व महसूस करते है।यह अनुयायी वर्ग ही उनके जूते-चप्पल, वस्त्र और खाने-पीने की व्यवस्था करने में गौरव अनुभव करता था । मामाजी ने अपनी राष्ट्रीय स्तर की छवि कभी भी अपने मस्तमौला स्वभाव पर हावी नहीं होने दी ।यही कारण है कि वे एक लुंगी और बंडी में बामनिया के बाजारों और रेल्वे स्टेशन पर नंगे पांव घूमने में गुरेज नहीं करते थे ।जब ये जीवन की शांति वेला में रूग्ण रहने लगे तब प्रदेश शासन ने उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए जिला अस्पताल के एक चिकित्सक की डयूटी लगाई ।कई बार ऐसा भी हुआ कि जब चिकित्सक उनके जांच के लिए पहुंचे और मामाजी उन्हें आश्रम की बजाय बाजार में मिले । चिकित्सक जब उन्हें आश्रम पर चलने को कहते तो वे यह कह देते थे कि यहां भी वहीं बालेश्वर दयाल है जो आश्रम पर होगा । वे किसी भी बाखडे या टेबल पर लेटकर अपना चेकअप करवा लिया करते थे ।मामाजी ने कभी भी षासन से मिली सुविधाओं को नहीं भोगा । वे तो हमेशा उनसे बचते रहते थे।

आजादी के दिनों में निकाला गोबर नामक अखबार-

मामाजी आजादी के आंदोलन को बढावा देने के लिए बामनिया जैसे छोटे व साधनहीन गांव से अपने स्वंय का अखबार निकालते थे । उनकी स्वंय की प्रेस यानि छापाखाना था । जहां अमेरिका की एक पैडल से चलने वाली मैन्युअल प्रिंटिग प्रेस थी । जिसे छापने वाला व्यक्ति अपने पैर से चलाता था । इस मशीन से बामनिया भील आश्रम से काम की बात , गोबर जैसे साप्ताहिक अखबार भीली भापा में प्रकाशित होते थे ।यह अखबार राजस्थान के डूंगरपुर ,बांसवाडा ,सागवाडा आदि , रतलाम,सैलाना बाजाना ,झाबुआ ,दाहोद,पंचमहाल आदि क्षेत्रों में वितरित होते थे । जहां मामाजी के अनुयायी इकठठा होकर एक-दूसरे को खबरे पढकर सुनाया करते थे । मामाजी ने अपनी आत्मकथा ,संघर्षो की कहानी लिखी है ।वही अपने अनुयायियों के प्रति अपना आध्यात्मिक फर्ज निभाते हुए भीली बोली में महाभारत व रामायण लिखी । अपने बहुआयामी कृतित्व के कारण मामाजी आज भी अपने अनुयायियों में भगवान की तरह पूजे जा रहे है।उनके अवसान के बावजूद भील आश्रम में अब भी ऐसा आकर्षण है कि उनकी पुण्यतिथि पर सैकडो किमी दूर से हजारों अनुयायी नंगेपैर समाधिस्थल पर आते है ।

में साल 2025 की सरकारी छुट्टियों का ऐलान

127 दिन नहीं होगा कामकाज, दिवाली पर मिलेगा इतने दिन का अवकाश, जानें कब-कब रहेगी छुट्टी

भोपाल। मध्य प्रदेश में साल 2025 की छुट्टियों का सरकारी कैलेंडर जारी हो गया है। नए साल में कुल 127 दिन छुट्टी रहेगी। यानी अगले साल 238 दिन सरकारी कामकाज होगा। वर्ष 2024 की तुलना में साल 2025 में छुट्टियां कम हुई है। दरअसल, कुछ त्योहार रविवार को पड़ने की वजह से अवकाश कम हुए है। एमपी में साल 2025 में 238 दिन सरकारी कामकाज होगा। जबकि 127 दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिसमें 52 शनिवार और 52 रविवार भी शामिल हैं। साल 2024 की तुलना में 2025 में 4 छुट्टियां कम हुई है। गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), गुड़ी पड़वा (30 मार्च), रामनवमी (6 अप्रैल), और मोहर्रम (6 जुलाई) रविवार को होने से 4 अवकाश कम हुए है। हीं 22 सामान्य और 17 सार्वजनिक अवकाश घोषित किए हैं। सार्वजनिक अवकाश में केंद्र-राज्य के सभी कार्यालय बंद रहेंगे। जबकि सामान्य अवकाश केवल राज्य के कार्यालयों पर लागू होंगे। इसके अलावा 68 ऐच्छिक अवकाश घोषित किए गए हैं। इनमें कर्मचारी अपनी पसंद से 3 अवकाश ले सकते हैं।

लगातार 3-4 दिन छुट्टी
मार्चः 14 को होली, 15 को शनिवार, 16 को रविवार
मार्च- 29 को शनिवार, 30 को रविवार, 31 को ईद
अप्रैलः 10 को महावीर जयंती, 11 को शनिवार, 12 को रविवार
अप्रैल- 18 को गुड फ्राइडे, 19 को शनिवार, 20 को रविवार
मईः 10 को शनिवार, 11 को रविवार, 12 को बुद्ध पूर्णिमा।
मई- 29 को महाराणा प्रताप जयंती, 31 को शनि, 1 जून को रविवार
अगस्तः 15 को स्वतंत्रता दिवस, 16 को जन्माष्टमी, 17 को रविवार
सितंबरः 5 को मिलाद-उन-नबी, 6 को शनिवार, 7 को रविवार
अक्टूबरः 18-19 को शनि-रविवार, 20 सोमवार को दिवाली, 21 को गोवर्धन पूजा

दिवाली पर 4 दिन का अवकाश

दिवाली पर इस बार 4 दिन का अवकाश मिलेगा। दिवाली इस बार 20 अक्टूबर, सोमवार को है। 21 अक्टूबर मंगलवार को गोवर्धन पूजा है। जबकि 23 अक्टूबर गुरुवार को भाई दूज का ऐच्छिक अवकाश है। बीच में सिर्फ बुधवार ही वर्किंग डे रहेगा।

10 दिवसीय राज्य स्तरीय विधायक कप क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

उदयपुर विजेता तो उपविजेता गाजियाबाद रहा

दैनिक रणजीत टाइम्स

संवाददाता जगदीश पाल

पिछोर स्थानीय शासकीय छत्रसाल स्टेडियम में स्वर्गीय श्रीमंत राजमाता माधवी राजे सिंधिया की पुण्य स्मृति में 15 दिसंबर से खेले जा रहे 10 दिवसीय राज्य स्तरीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन आज 25 दिसंबर पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई की 100 वीं जन्म जयंती के अवसर पर किया गया इस राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में दिल्ली,नागपुर, भोपाल, गाजियाबाद,झांसी रेलवे, मथुरा,उदयपुर, लखनऊ,ग्वालियर आदि टीमों ने भाग लिया विधायक कप क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम दिन ऊर्जा एवं प्रभारी मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर भी पहुंचे और उन्होंने आई हुई टीमों के खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर उत्साह वर्धन किया विधायक कप प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबला में उदयपुर की टीम विजेता और गाजियाबाद की टीम उपविजेता रही। उदयपुर टीम के खिलाड़ी आकाशदीप मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे। खेल के अंतिम दिन फाइनल मुकाबले में उदयपुर टीम ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग प्रारंभ की और विरोधी के सामने 276 रन का स्कोर खड़ा कर दिया बाद में गाजियाबाद 248 रन परी सिमिट कर रह गई और 28 रन से पराजित हो गई यह राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी के आयोजन में किया गया विजेता टीम को एक लाख 21 हजार रुपए का पुरस्कार ट्रॉफी के साथ दिया गया वहीं उपविजेता टीम गाजियाबाद को 61000 से पुरस्कृत किया गया प्रतियोगिता के अंतिम दिन विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने माइक लेकर जमकर कोमिंट्री की समापन के अवसर पर जिला कलेक्टर रविंद्र सिंह चौधरी तथा पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ भी पहुंचे और खेल का आनंद लिया ! विधायक प्रतिनिधि सुनील कुमार लोधी, जगदीश शर्मा, सौरभ पाठक, नीटू मिश्रा आदि का क्रिकेट टूर्नामेंट में विशेष सहयोग रहा तथा कोमेंट्री के रूप में मनदीप तिवारी एवं राकेश पुरोहित रहे !